बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ दिनांक -02 - 03 - 2021

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज वर्णमाला के बारे में अध्ययन करेंगे ।

हिंदी स्वरों का वर्गीकरण स्थान के आधार पर -

) हिंदी के स्वरों का वर्गीकरण निम्न है -

(१) कण्ठ्य - अ, आ, अः

(२) तालव्य - इ, ई

(३) मूर्धन्य - ऋ

(४) ओष्ठ्य - उ, ऊ

(५) अनुनासिक - अं

(6) कण्ठ्य तालव्य - ए, ऐ

(७) कण्ठयोष्ठ्य - ओ, औ

व्यंजन

जिन वर्णो का उच्चारण स्वरों की सहायता के बिना नहीं हो पाता है ,उन्हें व्यंजन वर्ण) कहते है। जैसे - क (क्+अ)

प्रत्येक व्यञ्जन अ से मिलकर उच्चारित होता है। हिंदी वर्णमाला में कोई भी व्यंजन बिना 'अ' स्वर के उच्चरित नहीं होता है।

में व्यंजन दो तरह से लिखे जाते है -

१- खड़ी पाई के साथ

क ख ग घ च ज झ ञ ण त थ ध न प फ ब भ म य ल व श ष स क्ष त्र ज्ञ

२- बिना खड़ी पाई के साथ-

ङ छ ट ठ ड ढ द र

व्यंजन के प्रकार

हिंदी वर्णमाला) में व्यंजन निम्न 3 प्रकार के होते है।

1. स्पर्श व्यंजन
2. अन्तस्थ व्यंजन
3. ऊष्म व्यंजन

१-स्पर्श व्यंजन -

जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय हवा फेफड़ो से निकलते हुए किसी विशेष स्थान (कण्ठ्य,तालु,मूर्धा,दन्त एवं ओष्ठ) को स्पर्श करे ,स्पर्श व्यंजन कहलाते है। जैसे -

व्यंजन	**वर्ग**
क ख ग घ ङ	क
च छ ज झ ञ	च
ट ठ ड ढ ण	ट

तथदधन त

पफबभम प